|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 26. Dezember | | |
| **2. Weihnachtstag** | | |
| **Fest des Hl. Stephanus,** erster Martyrer | | |
| Lesung.: Apg 6,8-10; 7,54-60; Evangelium.: Mt 10,17-22 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 236, 1+4-6 | Zu Bethlehem geboren |
|  | GL 247, 1-4 | Lobt Gott, ihr Christen |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 7 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 727 | Wir singen mit dem Engelheer |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 31,3b-4.6 u. 8.16-17 | |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 308, 1 | Vater, in deine Hände |
|  | oder |  |
|  | GL 256, 3+4 | Ich lag in tiefster Todesnacht |
|  |  |  |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | GL 244 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Gesegnet sei, der kommt im Namen des Herrn.* | |
|  | *Gott, der Herr, erleuchte uns.* | |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 729 | O Gottes eingeborner Sohn |
|  | GL 236, 4+5! | Zu Bethlehem geboren im Stall |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 193 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 241, 3 | Der Abglanz des Vaters |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 254, 1-4 | Du Kind, zu dieser heilgen Zeit |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 253 | In dulci jubilo |